VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
MN 04 NOV 2016 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 844)

Name of Candidate	KANCHAN KUMAR KANDPAL		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	26216
Center	MN	Date	4/11/2015

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	12.5	
2	12.5	
3	12.5	
4	12.5	
5	12.5	
6	12.5	
7	12.5	
8	12.5	
9	12.5	
10	12.5	
11	12.5	
12	12.5	
13	12.5	
14	12.5	
15	12.5	
16	12.5	
17	12.5	
18	12.5	
19	12.5	
20	12.5	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are TWENTY questions printed in HINDI and ENGLISH.
   इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

75, 3rd Floor, Old Rajinder Nagar Market, Near Axis Bank, New Delhi – 110060

103, 1st Floor, B/1-2, Ansal Building, Behind UCO Bank, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi – 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer all the questions in NOT MORE THAN 200 WORDS each. Content of the answers is more important than its length. All questions carry equal marks.

12.5X20=250

1. It has been assessed that radicalisation is a security threat to India. Explain the basis of such an assessment with examples. What are the key pillars of the counter radicalisation strategy of the government?

प्रायः यह आकलित किया जाता है कि कट्टरता (रेडिक्लाईजेशन) भारत के लिए एक सुरक्षा संबंधी खतरा है। इस तरह के आकलन के मूलाधारों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। कट्टरता से निपटने के लिए सरकार की रणनीति के प्रमुख आधार स्तंभ क्या हैं?

किसी धर्म / विचारधारा / मान्यता को तर्कहीन आधार पर अंध समर्थन करना एवं विरोधी / अन्य पक्ष के प्रति हिंसा के स्तर तक कटु विचार रखना 'कट्टरता' कहलाता है,

भारत विविधता से युक्त देश है, किंतु इन्हीं विविध संस्कृतियों के घटकों में जब तुलनात्मक वंचन (Relative Depriva-tion) की भावना का उदय हो जाता है, तो कालांतर में वह कट्टरता में परिवर्तित हो जाता है,

कट्टरता : भारत के लिए सुरक्षा संबंधी खतरा-

(i) अल्पसंख्यक समुदायों के भीतर कट्टरता की भावना उन्हें आतंकी समूहों के करीब ले जाती है,

(ii) बहुसंख्यक वर्ग में कट्टरता की भावना, अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक अवसरों को कम करती है,

(iii) भाषाई आधार पर उत्तर-दक्षिण के मध्य '60 के दशक का हिन्दी विवाद कट्टरता के सुरक्षात्मक संवेदनशीलता को दर्शाता है।

(iv) क्षेत्रीय कट्टरता के आधार पर मराठा विवाद, पूर्वोत्तर के नृजातीय संघर्ष सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं।

(v) सीमावर्ती पड़ोसी राष्ट्रों द्वारा भारत में कट्टरता को प्रश्रय देकर अनेक आतंकी वारदात आदि को संचालित किया जा चुका है।

सरकार की रणनीति के आधार स्तंभ-

(i) संविधान में समावेशी राष्ट्र के निर्माण (अनुच्छेद 14, 15, 16, 19, 25-28 आदि) के प्रावधानों का उचित क्रियान्वयन,

(ii) बहुसंस्कृतिवाद (multiculturalism) को बढ़ावा देने के समय-समय पर भारत पर्व, संस्कृति महोत्सव आदि का आयोजन,

(iii) कट्टरता के कारण कानून विरोधी गतिविधियों में (यथा- हाल के समय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में ISIS में शामिल युवा) के लिए De-Radicalization कैंप आदि का आयोजन करना।

(iv) सरकार के / प्रशासन के स्तर पर ऐसे प्रयास किये गए हैं कि प्रत्येक वर्ग को समुचित प्रतिनिधित्व मिल सके।

निष्कर्ष - बहुसंस्कृतिवाद भारत की पहचान रही है, अतः कट्टरता जैसा कोई तत्व इसे विकृत करने की कोशिश करता है, तो प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि उसके विरुद्ध सशक्त कदम उठाकर समावेशी / अखण्ड संघ के निर्माण को समर्थ बनाए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Arguments on Siachen issue often move around the idea of demilitarisation. Examining the key attributes of the Siachen issue explain the basis of arguments regarding its demilitarisation? Also highlight the arguments against such an idea.

सियाचिन मुद्दे पर प्रस्तुत तर्क अक्सर विसैन्यीकरण के विचार के आस-पास मंडराता रहता है। सियाचिन मुद्दे से जुड़े प्रमुख पहलुओं का परीक्षण करते हुए इसके विसैन्यीकरण संबंधी तर्कों के मूलाधारों की व्याख्या कीजिए? साथ ही इस तरह के विचार के खिलाफ दिए जाने वाले तर्कों पर भी प्रकाश डालिए।

सियाचीन ; वस्तु भारत - पाकिस्तान की सीमा पर स्थित हिम ग्लेशियर है, जो मौसमी प्रतिकूलताओं के कारण शिमला समझौते के समय सीमांकित नहीं किया गया था, महत्वपूर्ण सामरिक स्थिति के कारण भारत व पाकिस्तान दोनों ही इस पर नियंत्रण स्थापित करना चाहते हैं, ऐतिहासिक व भौगोलिक स्थिति के परिणामस्वरूप वर्तमान में यहाँ भारतीय सैनिक तैनात हैं।

सियाचिन का विसैन्यीकरण -

(i) दुर्गम भौगोलिक स्थिति व ठंड (-50°C) के कारण जीवन-विरोधी परिस्थितियाँ सैनिकों की बिना युद्ध के मृत्यु का कारण बनती हैं।

(ii) निरन्तर हिम अपरदन की संभावना व्यापक जनहानि करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) इस क्षेत्र के अनुकूलतम वस्त्रों, उपकरणों के निर्माण में काफी धन खर्च होता है।

(iv) सैनिकों को बार-बार रोटेशन के आधार पर यहाँ नियुक्त करना व अतिरिक्त भत्ता आदि सैन्य व्यय को बढ़ाता है।

विसैन्यीकरण के विरुद्ध तर्क-

(i) सामरिक प्रश्न भावनात्मक आधार पर हल नहीं किये जाते हैं, महत्वपूर्ण सामरिक स्थल होने के कारण यहाँ पर सैनिकों की उपस्थिति अनिवार्य आवश्यकता है।

(ii) भारत द्वारा अपने सैनिकों को एकतरफा रूप से वापस बुलाने पर पाकिस्तान द्वारा इस भू-सामरिक क्षेत्र को कब्जा लिये जाने का खतरा,

(iii) इस क्षेत्र में चीन की सक्रियता व पाकिस्तान-चीन की मैत्री भी संशय उत्पन्न करती है,

(iv) अतः ऐसी महत्वपूर्ण स्थिति से एकतरफा आधार पर विसैन्यीकरण खतरनाक कदम होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निष्कर्ष- यथार्थपरक दृष्टिकोण रखकर सघन द्विपक्षीय वार्ताओं के द्वारा सीमा विवाद को सुलझाना ही एकमात्र विकल्प है, सभी भौगोलिक अवस्थितियों का वास्तविक सीमांकन (जो दोनों पक्षों द्वारा मान्य हो) कर ही विसैन्यीकरण के उपाय की तरफ देखना होगा।

Call us : 9650617807, 9968029039
Blog : www.visionias.wordpress.com

Visit us : www.visionias.in
Email : ajay.visionias@gmail.com

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Money laundering and terrorism have strong inter linkages. Illustrate. In this context, how far do the steps taken by the government confirm with the international commitments?

मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद मजबूती से एक-दुसरे से सम्बद्ध हैं। स्पष्ट कीजिए। इस संदर्भ में, सरकार द्वारा उठाए गए कदम किस हद तक अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की पुष्टि करते हैं ?

काले धन को विविध माध्यमों में परिचालित कर साफ धन (white Money) में परिवर्तित करना मनी लॉड्रिंग कहलाता है। वर्तमान में तमाम उदाहरणों के माध्यम से यह बात स्पष्ट हुई है कि आतंकवाद व मनी लॉड्रिंग दोनों घनिष्ठता के साथ जुड़कर एक दूसरे को सशक्त कर रहे हैं।

(I) विभिन्न आतंकी समूहों के वित्तपोषण के लिए काले धन का ही प्रयोग किया जाता है।

(II) अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आतंकी संगठन मनी लॉड्रिंग का विकल्प अपनाते हैं।

(III) आतंकी समूहों का संगठित ढाँचा काले धन को चरणबद्ध रूप से स्वच्छ धन में परिवर्तित करने में मदद करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) आतंकी समूहों द्वारा तीव्रता के साथ तेल उद्योग, रियल एस्टेट में किया जा रहा हस्तक्षेप मनी लॉंड्रिंग का नया मार्ग उपलब्ध करा रहा है।

भारत द्वारा उठाए गए कदम व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता –

(i) भारत Financial Action Task force (FATF) का हिस्सा है।

(ii) भारत की नीति सदस्य राष्ट्रों को धन के हस्तांतरण /स्थानांतरण, संदिग्ध खातों की जाँच द्वारा सहयोग प्रदान करना है। ताकि मनी लॉंड्रिंग पर नजर रखी जा सके।

(iii) कालेधन के विदेशी संरक्षण के विरुद्ध चलाई गई वर्तमान मुहिम तथा अमेरीका के साथ FATCA पर हस्ताक्षर मनी लॉंड्रिंग को रोकने के उपाय के अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का हिस्सा है।

(iv) बेस इरोसन प्रॉफिट शिफ्टिंग के तहत भारत द्वारा उठाए गए सहयो-गात्मक कदम भी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को व्यक्त करते है।

निष्कर्ष - मनीलॉन्ड्रिंग व आतंक का गठजोड़ स्वयं भारत के समक्ष गंभीर चुनौती है। समन्वित अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों के द्वारा ही इस पर नियंत्रण लगाया जा सकता है, तथा भारत का पूर्ण प्रयत्न है कि वो तन्मयता के साथ इसे लागू करे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Longstanding issue of insurgency in the Northeast highlights the linkage between violence, remoteness, underdevelopment and alienation. Elaborate. Also, suggest some corrective measures for a lasting resolution of the conflicts in this region.

पूर्वोत्तर में लम्बे समय से विद्यमान उग्रवाद का मुद्दा वस्तुतः हिंसा, दूरी, अल्पविकास, और अलगाव की भावना के मध्य के संबंधों पर प्रकाश डालता है। सविस्तार व्याख्या कीजिये। इसके साथ ही इस क्षेत्र में संघर्ष के एक स्थायी समाधान के लिए कुछ सुधारात्मक उपायों का सुझाव भी दीजिए।

पूर्वोत्तर नृजातीय, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक - भौगोलिक आधार पर भारत का विशिष्टतम क्षेत्र है, किंतु स्वतंत्रता के 70 वर्षों के पश्चात भी इस क्षेत्र के तमाम राज्य उग्रवाद से पीड़ित हैं, जो अनेक कारकों के सम्मिलित परिणामों से उत्पन्न होता है -

(i) सीमावर्ती म्यांमार, बांग्लादेश से आए अवैध प्रवासियों के कारण जनसांख्यिकी अनुपात में आया परिवर्तन,

(ii) गैर नृजातीय लोगों के पास रोजगार, विकास, अवसर की उपलब्धता स्थानीय लोगों में तुलनात्मक वंचन को जन्म देती है।

(iii) शेष भारत की तुलना में सीमित अवसंरचनात्मक विकास,

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) शेष भारत के साथ न केवल भौगोलिक बल्कि सांस्कृतिक, नृजातीय संबंधों का अभाव,

(v) भारतीय कंपनियों द्वारा खनन पर रॉयल्टी का मुद्दा,

स्पष्टतः ये सभी कारण सामूहिक रूप से अलगाववाद व उग्रवाद को जन्म देते हैं, जो राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के लिए खतरा है,

सुधारात्मक उपाय –

(i) Act East नीति के प्रथम चरण के तहत इस क्षेत्र के अवसंरचनात्मक विकास के कार्य,

(ii) जनसांख्यिकी अनुपात के कारण उपजे विवाद को विभिन्न प्रतिनिधि संस्थाओं, रोजगार के अवसरों में सकारात्मक प्रतिबंध (Reservation) के प्रावधान,

(iii) जीवन रेड्डी समिति की सिफारिश के अनुरूप AFSPA जैसे दण्डात्मक प्रावधानों की जगह सुधारात्मक प्रयत्न

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) विद्यार्थियों (अखिल भारतीयों) के पाठ्यक्रम में भ्रमण कार्यक्रम के तहत उत्तर-पूर्व भ्रमण को तथा यहाँ के विद्यार्थियों के शेष भारत भ्रमण को लागू किया जाए, ताकि नई पीढ़ि सांस्कृतिक विविधताओं से परिचित हो सके।

स्पष्टतः एक सकारात्मक व समावेशी पहल ही उत्तरपूर्व की समस्या का निदान कर पाएगी, अतः स्थानीय समुदाय का सहयोग लेकर समावेशी प्रयासों को मजबूती के साथ लागू किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. While on the one hand China's One Road One Belt initiative poses security concerns and challenges for India, on the other, it can help improve India's connectivity to major markets and resource supplies. Discuss.

जहाँ एक ओर चीन की 'वन बेल्ट वन रोड' पहल भारत के लिए सुरक्षा संबंधी चिंताएं और चुनौतीयां खड़ा करता है, वहीं दूसरी ओर यह संसाधनों की आपूर्ति और प्रमुख बाजारों तक भारत की कनेक्टिविटी (संयोजकता) को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकता है। चर्चा कीजिए।

चीन द्वारा पाकिस्तान, अफगानिस्तान होते हुए मध्य एशिया तक (वन रोड) सड़क मार्ग तथा दक्षिण चीन सागर से हिन्द महासागर द्वारा अदन की खाड़ी तक (वन बेल्ट) समुद्री मार्ग द्वारा क्षेत्रीय पहुँच व एकीकरण की महत्वाकांक्षी परियोजना 'वन बेल्ट, वन रोड' है।

भारत के परिप्रेक्ष्य में –

(I) सुरक्षा संबंधी चिंताएँ –

(1) प्रस्तावित सड़क मार्ग का गुलाम कश्मीर से होकर जाना,

(2) समुद्री बेल्ट, वस्तुतः हिंद महासागर में भारत को घेरने का मार्ग है,

(3) परियोजना द्वारा चीन को प्राप्त क्षेत्रीय प्रभुत्व व चीन-पाकिस्तान मैत्री भारत के समक्ष चिंता का विषय है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) इस परियोजना के द्वारा निर्मित/विकसित चटगाँव, हम्बनटोटा, ग्वादर आदि बंदरगाहों पर चीनी नौसेना की तैनाती।

(5) चीन के प्रति सीमावर्ती राष्ट्रों की सहयोगात्मक नीति भारत की हिन्द महासागर में सामरिक स्थिति को कमजोर करती है।

कनेक्टिविटी में लाभ-

(1). परियोजना के द्वारा निर्मित क्षेत्रीय एकीकृत बाजार भारत के लिए भी संभावनाएँ खोलता है।

(2). निर्मित आधारभूत संरचनाओं का तार्किक उपयोग कर भारत अपने व्यापार को बढ़ा सकता है।

(3). प्रस्तावित BCIM रोड द्वारा न केवल सीमावर्ती पड़ोसी राष्ट्रों बल्कि उत्तर-पूर्व में भी भारत

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की कनेक्टिविटी में वृद्धि होगी,

निष्कर्ष – स्पष्टतः यह परियोजना भारत के क्षेत्रीय प्रभुत्व के समक्ष जहाँ चुनौती लेकर आती है, वहीं यदि यथार्थपरक दृष्टिकोण से देखें तो इसका समुचित उपयोग कर भारत अपने क्षेत्रीय संपर्कों को बढ़ा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. NATGRID was an ambitious step involving intelligence reforms, however, it remained a non-starter. Explain. In the context of recent initiatives to revive the NATGRID and the challenges it faced previously what steps are required to make it effective?

नेटग्रिड (NATGRID) इंटेलिजेंस सुधारों से सम्बंधित एक महत्वाकांक्षी कदम था, हालांकि यह शुरू नहीं हो पाया। व्याख्या कीजिए। नेटग्रिड को पुनर्जीवित करने की हाल की पहल और पूर्व में इसके द्वारा सामना की गयी चुनौतियों के संदर्भ में, इसे प्रभावी बनाने के लिए कौन-से कदम उठाए जाने की आवश्यकता है?

देश के सभी सुरक्षा संबंधी साइबर सूचनाओं को एक नेटवर्क के माध्यम से एकीकृत करने की समग्र परियोजना NATGRID के रूप में प्रस्तावित की गई थी, जो

1). आपराधिक गतिविधियों के शीघ्र निस्तारण
2). सहयोगात्मक अभियानों की कुशलता
3). अपराधी वर्ग के क्रियाकलापों के पूर्वानुमान

में सहायक एवं प्रभावी सिद्ध होती

किन्तु, प्रस्तावित NATGRID योजना व्यवस्थागत रूप से प्रारंभ नहीं हो पाई, जिसके पीछे-

1). कुशल तकनीकी कर्मचारियों का अभाव
2). निजता संबंधी प्रावधानों को लेकर

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3). केंद्र - राज्य सम्बन्धों में मतभिन्नता को उत्तरदायी माना जा सकता है, किन्तु वर्तमान की आपराधिक चुनौतियों, सुरक्षा पर निरंतर बढ़ते हमलों तथा आतंकी / आपराधिक समूहों की बढ़ती गतिविधियों से निपटने एवं वर्तमान के अनुरूप सुरक्षा ढाँचा निर्मित करने के लिए सरकार द्वारा NATGRID के पुनर्जीवन के प्रयास किये जा रहे हैं।

किंतु पूर्व में आई चुनौतियों को देखते हुए इसके क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण उपाय किये जाने आवश्यक हैं—

1). सुरक्षा बलों में तकनीक आधारित कुशल बल की नियुक्ति,
2). यंत्रों व उपकरणों को अद्यतन प्रौद्योगिकी से युक्त करना,
3). सुरक्षा से संबंधित केन्द्र - राज्य संबंध विवाद का समावेशी हल निकालना,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4). निजता संबंधी चुनौतियों को हल करना।

स्पष्टतः NATGRID वर्तमान की आवश्यकता ही नहीं, अनिवार्यता भी है। अतः शीघ्र इसके क्रियान्वयन द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूती के प्रयास करने चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. India's national security architecture faces a difficult task in detecting digital intrusion in cyberspace. What are the challenges India faces w.r.t. Digital Intrusion? How can these challenges be overcome?

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा अवसंरचना ,साइबर स्पेस में डिजिटल घुसपैठ का पता लगाने में मुश्किलों का सामना कर रही है। डिजिटल घुसपैठ के सन्दर्भ में भारत किन चुनौतियों का सामना कर रहा है? इन चुनौतियों को कैसे दूर किया जा सकता है?

साइबर तकनीक में निरंतर हो रहे बदलावों के कारण, राष्ट्रीय सुरक्षा अवसंरचना वर्तमान में भारत के साइबर स्पेस में हो रहे डिजीटल घुसपैठ को रोक पाने में असक्षम सिद्ध हो रही है। हालिया एटीएम कार्ड हैकिंग के प्रकरण एवं सरकारी वेबसाइट्स की हैकिंग इसके ज्वलंत उदाहरण हैं।

भारत के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ-

1). भारत के साइबर वॉर प्रतिरोधी सरकारी तंत्र में कुशल व योग्य कार्यबल का अभाव,

2). नवीनतम प्रौद्योगिकी बदलावों के साथ तालमेल का अभाव,

3). सामान्य जनता में साइबर अटैक आदि के प्रति जागरूकता का अभाव

4). हालिया एटीएम हैकिंग प्रकरण से

यह बात सामने आई है कि विभिन्न संगठनों के मध्य तालमेल का अभाव है, तथा वे चेतावनियों को भी यथार्थपरक रूप में नहीं लेते।

सुझाव

(i) साइबर विशेषज्ञों की नियुक्ति में डिग्री के बजाय योग्यता को प्राथमिकता देना।

(ii) अद्यतन प्रौद्योगिकी उपकरणों का प्रयोग।

(iii) विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के मध्य तालमेल को सुनिश्चित कर सूचना आदान-प्रदान को प्रभावी बनाया जाए।

(iv) साइबर हमले द्वारा नुकसान हो जाने पर एक जवाबदेही तंत्र का अनिवार्य रूप से निर्माण किया जाना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(v) डिजीटल जागरूकता एक प्रभावी कदम साबित हो सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Relations with Iran hold a lot of potential for India's ambitions for West Asia and beyond, however, realising this potential also involves certain global and regional challenges. Examine.

ईरान के साथ संबंध वस्तुतः पश्चिम एशिया और उससे परे भारत की महत्वाकांक्षा के लिए संभावनाओं से परिपूर्ण हैं, तथापि इस संभावना को साकार करने के मार्ग में कुछ वैश्विक तथा क्षेत्रीय चुनौतियां भी हैं। परीक्षण कीजिए।

ईरान ~~xxxx~~ पश्चिमी एशिया में भू-सामरिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण राष्ट्र है। भारत के लिए इसकी प्रासंगिकता स्वतः ही सिद्ध हो जाती है -

(I) ईरान एक महत्वपूर्ण तेल उत्पादक राष्ट्र है। अतः भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

(II) यूरोपीय राष्ट्रों तक अपने व्यापार को बढ़ाने में ईरान की भौगोलिक स्थिति भारत के लिए लाभदायक है।

(III) मध्य एशियाई राष्ट्रों के संसाधनों तथा जनसमुदाय तक पहुँच का मार्ग उपलब्ध करा सकता है।

(IV) अफगानिस्तान तक पहुँच का प्राथमिक

मार्ग उपलब्ध करवाकर भारत की सामरिक स्थिति को मजबूत बनाता है,

(v) रूस से भारत के आयात का मार्ग उपलब्ध कराकर महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा,

(vi) स्वयं ईरान एक महत्वपूर्ण बाजार सिद्ध हो सकता है,

चुनौतियाँ –

(क) वैश्विक :

(i) ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम के कारण अभी भी अंतर्राष्ट्रीय राजनय में सम्मानित स्थान प्राप्त नहीं कर पाया है,

(ii) ईरान के संबंधों को अमेरीका की वैश्विक कूटनीति से जूझना पड़ता है,

(iii) यमन में ईरान की उपस्थिति एवं साऊदी अरब से विवाद उसकी भविष्य की स्थिति पर प्रश्नचिह्न लगाते है,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~चुनौतियाँ~~ (i) चीन का ईरान में बढ़ता निवेश,

(ii) क्षेत्र में कट्टरपंथी ताकतों की उपस्थिति,

(iii) बढ़ते भारत-ईरान संबंधों पर चीन, पाकिस्तान का मौन विरोध,

स्पष्टतः ईरान एक अपार संभावनाशील अंतर्राष्ट्रीय मित्र संभावित हो सकता है, अतः भारत का प्रयत्न होना चाहिए कि तमाम चुनौतियों को दूर कर प्रगाढ़ संबंध स्थापित किये जाएँ,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. The internal crisis in Nepal over the past few years has given concrete shape to the fears of China gaining upper hand vis-a-vis a traditionally influential India. Elaborate. What can India do to further strengthen its ties with the Himalayan nation?

पिछले कुछ वर्षों में नेपाल के आतंरिक संकट ने पारंपरिक रूप से प्रभाव रखने वाले भारत पर चीन द्वारा बढ़त लिए जाने के भय को ठोस आकार प्रदान किया है। विस्तारपूर्वक बताईए। इस हिमालयी राष्ट्र के साथ अपने संबंधों को अधिक मजबूत करने हेतु भारत और क्या कर सकता है?

नेपाल, भारत का एक ऐतिहासिक व स्वाभाविक मित्र होने के साथ चीन व भारत के मध्य बफर स्टेट के रूप में अवस्थित है,

किंतु हालिया घटनाक्रमों ने नेपाल को चीन के प्रति झुकाव प्रदर्शित करने के लिए विवश किया -

(i) मधेशी संघर्ष को भारत का तथाकथित सहयोग,

(ii) नेपाल को मधेशी संघर्ष के दौरान भारत द्वारा खाद्य व तेल आपूर्ति पर रोक,

(iii) भारत-नेपाल की 1950 की संधि के प्रति नेपाल में बढ़ता आक्रोश,

(iv) भारत द्वारा नेपाल में प्रस्तावित अवसंरचनात्मक कार्यों में देरी,

(v) चीन द्वारा नेपाल में निवेश में वृद्धि (सड़क निर्माण परियोजना)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(vi) संघर्ष के दौर में चीन द्वारा नेपाल के साथ पेट्रोलियम आपूर्ति हेतु समझौता।

स्पष्टतः भारत की नीतिगत विफलता व चीन का सक्रिय सहयोग नेपाल की वर्तमान स्थिति के लिए उत्तरदायी है।

भारत द्वारा किये जा सकने योग्य उपाय

(i) नेपाल को बंदरगाह सुविधा, सड़क मार्ग प्रयोग सुविधा आदि का विस्तार किया जाए।

(ii) नेपाल में पोखरा स्टेडियम, सड़क मार्ग, भूकंप पुनर्निर्माण कार्य आदि में तीव्र वृद्धि की जाए,

(iii) नेपाल की भू-राजनैतिक अवस्थिति को देखते हुए उसे खाद्य व पैट्रोलियम आपूर्ति को जारी रखा जाए।

(iv) नवनियुक्त सरकार के साथ जो हालिया समझौते हुए हैं, उन्हें

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

त्वरित गति से क्रियान्वित किया जाए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. The Trans-Pacific Partnership agreement (TPP), touted as the world's biggest trade deal to date, has danger of bending the WTO rules. In this context, discuss the impact TPP can have on India's foreign trade. What are the options that India has to deal with the issues arising out of the TPP?

विश्व के सबसे बड़े व्यापार समझौते के रूप में प्रचारित ट्रांस-पेसिफ़िक पार्टनरशिप (टी.पी.पी.) समझौते द्वारा डब्ल्यू.टी.ओ. के नियमों को प्रभावित करने की आशंका है। इस परिप्रेक्ष्य मे भारत के विदेश व्यापार पर टी.पी.पी. के संभावित प्रभावों की चर्चा कीजिए। टी.पी.पी. से उत्पन्न मुद्दों से निपटने के लिए भारत के पास क्या विकल्प हैं?

ट्रांस पैसिफिक पार्टनरशीप, प्रशांत महासागर के १२ तटीय राज्यों के मध्य हस्ताक्षरित आर्थिक समझौता है, जो कि वैश्विक GDP में भागीदारी, विश्व व्यापार में भागीदारी के मापकों में सबसे बड़ा व्यापार समझौता माना जा रहा है।

विश्व व्यापार संगठन (WTO) सभी सदस्य राष्ट्रों के मध्य बाधा मुक्त व्यापार का आदर्श लेकर चलता है, किंतु TPP के प्रावधान केवल इसके सदस्य १२ राष्ट्रों के प्रति उदार रूख रखते हैं, तथा गैर-सदस्यों के साथ प्रतिबंधात्मक, इस कारण इसे WTO के आदर्श से विचलन के रूप में देखा जा रहा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत पर TPP के संभावित प्रभाव-

(i) भारत के दवा उद्योग पर इसके सदस्य राष्ट्रों को निर्यात पर प्रतिबंध,

(ii) वियतनाम व इंडोनेशिया अमेरीका, कनाडा को लकड़ी निर्यात करने के भारतीय स्वामित्व (व्यापार) को प्रतिस्थापित कर देंगे।

(iii) कठोर IPR कानून सदस्य राष्ट्रों में भारतीय निर्यात को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेंगे,

(iv) कठोर श्रम कानून भारत के अमेरीका आदि में श्रम बाजार को प्रभावित करेंगे।

(v) दक्षिण पूर्वी एशीयाई राष्ट्रों से भारत के व्यापारिक संबंध कमजोर होंगे।

भारत के पास विकल्प-

(i) नई IPR नीति व अंतर्राष्ट्रीय मानकों की तरफ भारत को बढ़ना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) मुक्त व्यापार समझौतों (FTA) को प्राथमिकता देनी चाहिए,

(iii) यूरोपीय संघ व अफ्रीका में नए बाजारों की तलाश करनी चाहिए,

(iv) घरेलू मांग को सशक्त करके व 'स्वदेशी निर्माण (Make in India) से उसकी आपूर्ति पर जोर देना चाहिए,

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Legal proceedings initiated by the Marshall Islands against India, Pakistan and Britain over nuclear weapons in the International Court of Justice highlights the issues of jurisidiction of the court. What is India's position vis-a-vis the jurisdiction of the ICJ? Also differentiate between binding and advisory pronunciations of the court with suitable examples.

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आई.सी.जे.) में मार्शल द्वीपसमूह द्वारा भारत, पाकिस्तान तथा ब्रिटेन के खिलाफ़ परमाणु हथियारों को ले कर आरम्भ की गयी कानूनी कार्यवाहियाँ वस्तुतः इस न्यायालय के क्षेत्राधिकार के मुद्दे को उजागर करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के क्षेत्राधिकार के संदर्भ में भारत का क्या रुख है? साथ ही उचित उदहारण प्रस्तुत करते हुए न्यायालय के बाध्यकारी तथा सलाहकारी निर्णयों के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Even though the refugee crisis in Europe does not affect India directly, it presents an opportunity for India to showcase its commitment and capability to take greater responsibility in dealing with global issues. Comment in light of India's strengths, experience and international commitments regarding refugees.

यद्यपि, यूरोपीय शरणार्थी संकट का भारत पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं है, लेकिन यह भारत के लिए वैश्विक मुद्दों से निपटने हेतु अधिक बड़ी ज़िम्मेदारी ग्रहण करने संबंधी प्रतिबद्धता तथा क्षमता को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। शरणार्थी संबंधी भारत के सामर्थ्य, अनुभव तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के आलोक में इस पर टिप्पणी कीजिए।

वर्तमान में गहराते यूरोपीय शरणार्थी संकट विश्व समुदाय के समक्ष प्रमुख चुनौती है। वैश्विक महाशक्ति बनने का स्वप्न रखने वाले भारत की प्रत्यक्ष प्रभाव न होने के बावजूद इस पक्ष पर विशिष्ट स्थिति अपेक्षित है।

सामर्थ्य –

(I) कोरिया युद्ध में मध्यस्थ की अंतर्राष्ट्रीय भूमिका

(II) वियतनाम युद्ध में समन्वयक राष्ट्र की भूमिका

(III) लम्बे समय से गुटनिरपेक्ष नेता के रूप में वंचित वर्ग का प्रतिनिधित्व

(IV) शांति सेना में सर्वाधिक सैनिकों की उपस्थिति

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत की सामर्थ्य का स्पष्ट परिचायक है।

अनुभव -

(i) तिब्बती शरणार्थियों को शरण तथा समन्वित विकास,

(ii) श्रीलंका में तमिल (पहाड़ी) शरणार्थियों को शरण,

(iii) पाकिस्तान, अफगानिस्तान के हिंसापीड़ित अल्पसंख्यकों को शरण

(iv) वर्तमान में 15000 से अधिक रोहिंग्या मुसलमानों को शरण,

स्पष्टत: शरणार्थी समस्या के विवेकपूर्ण समाधान का भारत एक लम्बा अनुभव रखता है।

अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता -

(i) तमाम अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत की सशक्त भूमिका

(ii) शरणार्थी आयोग के प्रति भारत का समर्थन,

(iii) अनुच्छेद 51 के तहत अन्तर्राष्ट्रीय

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शांति स्थापना के प्रति भारत की प्रतिबद्धता ;

वर्तमान समय में शरणार्थी संकट में भारत को केन्द्रीय भूमिका निभाने का सामर्थ्य देती है।

Call us : 9650617807, 9968029039
Blog : www.visionias.wordpress.com
Visit us : www.visionias.in
Email : ajay.visionias@gmail.com

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. India is endowed with an amazing variety and wealth of soft power resources. Providing examples, illustrate the utilisation of soft power in diplomatic initiatives of the recent past. What are the limitations of the soft power approach in diplomacy in case of a developing country such as India?

भारत सॉफ्ट पावर (मृदु शक्ति) संसाधनों की आश्चर्यजनक विविधता एवं बहुलता से संपन्न है। उदहारण प्रस्तुत करते हुए, हाल के कूटनीतिक पहलों में सॉफ्ट पावर के उपयोग का वर्णन कीजिए। भारत जैसे किसी विकासशील देश के लिए कूटनीति में सॉफ्ट पावर एप्रोच (मृदु शक्ति उपागम) की क्या सीमाएं हैं?

सॉफ्ट पावर के रूप में भारत–

(i) सैन्य शक्ति के अलावा, अन्य सहयोगात्मक उपायों के जरिए अपनी सामरिक स्थिति को मजबूत बनाना सॉफ्ट पॉवर कहलाता है।

(ii) भारत अपने सॉफ्ट पॉवर को प्रसारित करने के विविध विकल्प रखता है –

(A) अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत सशक्त है, सार्क देशों हेतु मौसम उपग्रह की घोषणा का प्रस्ताव इसका उदाहरण है।

(B) आपदा आदि में सहयोग, नेपाल भूकंप में भारत द्वारा दी गई पुनर्वास सहायता।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(C) नई नागरिक विमानन नीति में समीपवर्ती राष्ट्रों के लिए मुक्त आकाश नीति,

(D) अफ्रीकी देशों में अवसंरचनात्मक निर्माण कार्य,

(E) सॉफ्टवेयर निर्यात,

ये सभी पहल हाल के कूटनीतिक मामलों में सॉफ्ट पॉवर के बढ़ते महत्व को सिद्ध करते हैं।

भारत जैसे विकासशील देश की सीमाएँ -

(i) अवसंरचना के पर्याप्त विकास का स्वयं ही अभाव 'सॉफ्ट पावर' के विकल्प को सीमित करता है।

(ii) विकसित राष्ट्रों की मदद के सामने, ये सहायताएँ छोटी प्रतीत होती हैं।

(iii) विकासशील राष्ट्रों के भीतर विभिन्न हित समूहों की उपस्थिति सॉफ्ट पावर के उपयोग को अपने

अनुरूप निर्देशित करने का प्रयत्न करती है।

निष्कर्ष- तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत का यह प्रयत्न होना चाहिए कि सॉफ्ट पावर प्रयोग की रणनीति को बरकरार रखे, ताकि अपने हित पूर्ण हो सकें। यह ध्यातव्य है कि किसी भी स्थिति में सैन्य व्यय, सॉफ्ट पॉवर के प्रयोग से महंगा ही साबित होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Highlight the features of NAVIC and bring out its significance for India. How is it different from GAGAN? Examine whether NAVIC can be a replacement of GPS for India.

नाविक (NAVIC) की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए तथा भारत के लिए इसके महत्व को उजागर कीजिए। यह गगन (GAGAN) से किस प्रकार भिन्न है? परीक्षण कीजिए कि क्या नाविक भारत के लिए जी.पी.एस. को प्रतिस्थापित कर सकता है।

NAVIC, भारत द्वारा स्थापित 7 उपग्रहों के समूह की नेविगेशनल प्रणाली है।

विशेषताएँ -

1). इसके 4 उपग्रह जियो - सिंक्रोनस व 3 उपग्रह जियो - स्टेशनरी कक्षा में स्थापित है।

2). यह सम्पूर्ण भारत एवं सीमा से 1500 KM तक के क्षेत्र को कवर करता है।

3). यह 20 m तक की स्पष्ट संवेदन (सामान्य वर्ग) प्रदान करता है।

भारत के लिए महत्व -

(I) भारत नेविगेशन के लिए स्वदेशी तकनीक पर निर्भर होगा।

(II) इसकी विशिष्ट सेवा (Restricted

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

service) भारत की सामरिक शक्ति बढ़ाएगी।
(iii) आपदा प्रबंधन आदि में सहयोग,
(iv) पड़ोसी राष्ट्रों को सेवा प्रदान कर सॉफ्ट पावर में मजबूती,
(v) अंतरिक्ष शक्ति के रूप में भारत का सशक्त हस्ताक्षर,

GAGAN से भिन्नता-

(i) GAGAN, GPS आधारित तकनीक है, जबकि NAVIC आत्मनिर्भर
(ii) GAGAN, GPS के संकेतों को परिशुद्ध कर उपलब्ध कराता है, जबकि NAVIC स्वयं के संकेत देता है।
(iii) GAGAN का सैन्य कार्यों में प्रयोग जोखिमपूर्ण है, जबकि NAVIC की विशिष्ट सेवा सैन्य प्रयोजन के लिए ही है।

NAVIC की भविष्य में संभावनाएँ-

(i) GPS का शुद्धता परास 3m है जबकि NAVIC का 20m,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) GPS; 24 उपग्रहों पर आधारित होने के कारण अधिक सशक्त है,

(iii) GPS, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है, जबकि NAVIC क्षेत्रीय

(iv) अतः NAVIC को GPS के प्रतिस्पर्द्धी नहीं बल्कि भारत की संभावना के रूप में देखा जाना चाहिए,

15. What are Carbon Nanotubes (CNTs) and how are they an improvement over carbon fibres? Highlight the various unique properties of CNTs which makes them suitable to the manufacturing industry.

कार्बन नैनोट्यूब (सी.एन.टी.) क्या होते हैं तथा वे किस प्रकार कार्बन फाइबर से श्रेष्ठ हैं। सी.एन.टी. के उन विशिष्ट गुणधर्मों पर प्रकाश डालिए जो इसे विनिर्माण उद्योग हेतु उपयुक्त बनाते हैं।

(i) कार्बन नैनोट्यूब, ग्राफीन आधारित एकविमीय (1-D) संरचना होते हैं,

(ii) कार्बन फाइबर की अपेक्षा कार्बन नैनोट्यूब अधिक परिष्कृत तकनीक है।

(iii) इसमें फाइबर की अपेक्षा प्रत्यास्थता (Elasticity), तन्यता (tangibility) के गुण अधिक प्रभावी होते हैं,

(iv) लागत के दृष्टिकोण से भी कार्बन नैनोट्यूब, कार्बन फाइबर से अधिक प्रभावी व दक्ष सिद्ध होता है।

विनिर्माण क्षेत्र में कार्बन नैनोट्यूब

(i) इस्पात की अपेक्षा इसका वजन काफी कम (लगभग 1/3) होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) प्रत्यास्थता (elasticity) के दृष्टिकोण से यह इस्पात की तुलना में 10 गुना अधिक प्रभावी सिद्ध होता है।

(iii) भार वहन करने के दृष्टिकोण से भी यह एक विकल्प उपलब्ध कराता है।

(iv) नैनो तकनीक में निरंतर हो रहे विकासात्मक रुझान इसे वित्तीय रूप से भी व्यवहार्य बनाते हैं।

निष्कर्ष- C.N.T. निश्चित रूप से आधुनिकतम तकनीक का परिचायक है, जो कि विनिर्माण के साथ अन्य क्षेत्रों में भी प्रभावी सिद्ध होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Explain the significance of gravitational waves recently detected by LIGO. What are the objectives of the recently envisaged LIGO-India project and what benefits will India accrue from it?

हाल ही में एल.आई.जी.ओ. (लिगो) द्वारा खोजे गए गुरुत्वीय तरंगों के महत्व की व्याख्या कीजिए। हाल ही में परिकल्पित एल.आई.जी.ओ.-इंडिया प्रोजेक्ट (लिगो-भारत परियोजना) के क्या उद्देश्य हैं, तथा भारत को इससे क्या लाभ होंगे?

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. What are the criteria employed for a pandemic to be declared a Public Health Emergency of International Concern (PHEIC) by the WHO? In the wake of recent Ebola and Zika virus outbreaks examine the efficacy of the prevalent architecture of global health governance. Also, assess India's preparedness in handling such global epidemics.

डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा किसी महामारी को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ़ इंटरनेशनल कंसर्न (PHEIC) के रूप में घोषित करने के लिए क्या मानदंड अपनाए जाते हैं? हाल ही में इबोला तथा ज़ीका विषाणु के प्रसार के सन्दर्भ में वैश्विक स्वास्थ्य प्रबंधन की प्रभावोत्पादकता की जाँच कीजिए। ऐसी वैश्विक महामारियों से निपटने के लिए भारत की तैयारियों का मूल्यांकन कीजिए।

WHO द्वारा निर्धारित मानदंड-

(i) एक से अधिक राष्ट्रों को प्रभावित करें,
(ii) संभावित इलाज/टीकाकरण उपलब्ध न हो,
(iii) सामाजिक व आर्थिक प्रभावों की दृष्टि से भयावह हो जाय

हालिया बिमारियों के संदर्भ में वैश्विक स्वास्थ्य प्रबंधन का प्रभाव-

(i) वैश्विक अनुसंधानकर्ताओं के संयुक्त प्रयास,
(ii) यात्रियों, पर्यटकों आदि का सम्पूर्ण परीक्षण
(iii) हाई-अलर्ट की घोषणा द्वारा पूर्व उपायों को बढ़ावा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) यह वैश्विक स्वास्थ्य प्रबंधन की कुशलता ही थी कि इबोला व जीका का प्रसार अपेक्षित से कम हुआ।

(v) ओलंपिक का आयोजन भी इसी कुशल प्रबंधन के प्रभाव से महामारी से बचा रहा।

भारत का मूल्यांकन -

(i) गरीब, व स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित समुदाय एक बड़ा खतरा।

(ii) प्रति डॉक्टर वृहत् जनसंख्या स्वास्थ्य दक्षता को कम करती है।

(iii) चिकित्सा सुविधा का क्षेत्रीय असमानता के साथ वितरण।

(iv) यद्यपि जीका व इबोला के प्रतिरोधी निर्माण में भारतीय अनुसंधान कर्ता संलग्न रहे, पर

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विश्व स्तरीय अनुसंधान का अभाव।

स्पष्टतः इन बिंदुओं पर प्रभावित नीति निर्माण के द्वारा ही भारत सक्षम तंत्र विकसित कर पाएगा।

18. Give a brief explanation of CRISPR - gene editing technology. Also discuss its significance in modern biology and agriculture.

जीन एडिटिंग प्रौद्योगिकी - सी.आर.आई.एस.पी.आर. (CRISPR) की संक्षिप्त व्याख्या प्रस्तुत कीजिए। आधुनिक जीव-विज्ञान तथा कृषि में इसके महत्व पर भी चर्चा कीजिए।

CRISPR तकनीक, जीन एडिटिंग की आधुनिकतम तकनीक है, जो कि न केवल क्रियात्मक रूप से कुशल बल्कि वित्तीय रूप से व्यवहार्य भी है।

प्रक्रिया-

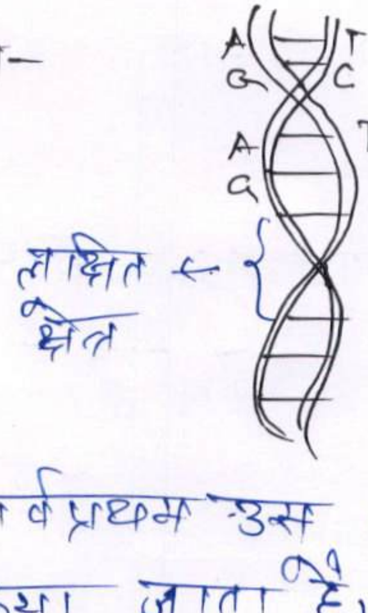

1). सर्वप्रथम उस जीन को लक्षित किया जाता है, जिसे प्रतिस्थापित करना है,

2). एंडोन्यूक्लेज एंजाइम द्वारा इसे मूल जीनोम से अलग किया जाता है,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3). लाईगेज एंजाइम के द्वारा बाह्य जीन को मूल जीनोम के साथ संलग्न कर दिया जाता है।

महत्व –

(i) जीन थैरेपी को नया आयाम प्रदान करेगा,

(ii) अनेक जीन आधारित बिमारियों के चिकित्सा को सफल बनाएगा,

(iii) आनुवांशिक रोगों के निपटारे में सक्षम,

(iv) वांछित बदलावों की सहायता से बिमारियों आदि के प्रति प्रतिरोधकता का विकास,

(v) कृषि क्षेत्र में, GM फसलों के निर्माण को प्रोत्साहन,

(vi) कृषि अपशिष्ट की समस्या का निराकरण

(vii) फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(viii) कृषि उत्पादों (फसलों) की बिमारियों से रोकथाम।

स्पष्टतः CRISPR तकनीक जैव प्रौद्योगिकी को नया आयाम देकर भविष्य की तस्वीर को बेहतर बनाएगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Even though large infrastructure projects like High Speed Rail (HSR) facilitate greater technological development, they come with their own set of challenges. Examine in the context of proposed HSR projects in India. Suggest some measures on how HSR can truly be 'Made in India'.

यद्यपि हाई स्पीड रेल (एच.एस.आर.) जैसी बड़ी अवसंरचना परियोजनाएं व्यापक स्तर पर प्रौद्योगिकीय विकास में सहायता करती हैं, लेकिन उनकी भी अपनी चुनौतियां होती हैं। भारत में प्रस्तावित एच.एस.आर. परियोजनायों के परिप्रेक्ष्य में परिक्षण कीजिए। कुछ उपाए बताईये कि कैसे सही मायने में एच.एस.आर. 'मेड इन इंडिया' हो सकता है।

ऐसी रेल अवसंरचनाएं, जो वर्तमान प्रौद्योगिकियों के अनुरूप श्रेष्ठतम (अधिकतम) गति से संचालन करती हैं, हाई-स्पीड रेल संरचना कहलाती है, जो व्यापक रूप में प्रौद्योगिकी विकास को प्रेरित करती है यथा-

(I) तीव्र आवागमन प्रणाली हेतु अवसंरचना का निर्माण,

(II) वैश्विक तकनीकी अवसंरचना की प्राप्ति

(III) न्यूनतम समय में अधिकतम यात्रा के लक्ष्य की प्राप्ति ~~हेतु~~ के लिए (मैग्लेव ट्रैक, एल एच बी डिब्बों आदि का प्रौद्योगिकी विकास) का लाभ,

(IV) नए तकनीकी उद्योगों का गठन,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियाँ –

(i) भारत जैसे विकासशील देश में भारी निवेश का अभाव,

(ii) उपयुक्त ढाँचे के अभाव में वित्तीय व्यवहार्यता,

(iii) बाधामुक्त रेल ट्रैक,

(iv) तकनीक पर विदेशी निर्भरता ।

HSR को मेड इन इंडिया बनाने हेतु उपाय –

(i) रेलवे तकनीकी शिक्षा संस्थाओं के पाठ्यक्रम को अद्यतन बनाने की आवश्यकता ।

(ii) निजी निवेशकों को इस क्षेत्र में निवेश के लिए प्रोत्साहित करना ।

(iii) तकनीकी कौशल की प्राप्ति हेतु अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग,

(iv) रेलवे पर से सरकारी नियंत्रण, लोकलुभावन वायदे को हटाना,

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. What do you understand by Big-data? Using SDGs as an example, discuss its role in effective implementation of public policy. Also mention challenges faced in using Big-Data and measures to overcome them.

बिग-डेटा से आप क्या समझते हैं? एस.डी.जी. को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हुए सार्वजनिक नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन में इसके महत्व पर चर्चा कीजिए। इसके अतिरिक्त, बिग-डेटा के प्रयोग में आने वाली चुनौतियों तथा उनके समाधान के उपायों पर भी चर्चा कीजिए।

इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा इंटरनेट में इनपुट की गई जानकारियों, उनकी गतिविधियों, समस्त रिकार्ड का संकलन व संग्रहण डेटा की बहुलता को जन्म दे रहा है, जिसे बिग-डेटा कहा जाता है।

यह वस्तुतः उपभोक्ता का व्यवहार पता लगाने, उसे सुझाव देने तथा उसकी रुचियों के अनुरूप विकल्प उपलब्ध कराने की दिशा में कारगर विकल्प होता है।

सार्वजनिक नीतियों के क्रियान्वयन में भूमिका (SDG के संदर्भ में):

1). इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा विभिन्न प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराई गई जानकारियों द्वारा सामाजिक-आर्थिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

डेटाबेस का निर्माण,

2). उपयोगकर्ताओं की रुचि / उत्पाद चयन / मानसिकता को परखकर उनकी वास्तविक सामाजिक स्थिति का आकलन कर, तद्नुरूप नीतियों का निर्माण।

3). बढ़ती जनसंख्या के रिकार्ड-कीपिंग को कुशल बिग-डेटा मैनेजमेंट द्वारा प्रभावी बनाया जा सकता है।

चुनौतियाँ—

(i) बिग-डेटा की हैकिंग,

(ii) निजता का उल्लंघन,

(iii) व्यावसायिक दुरुपयोग,

(iv) वित्तीय असुरक्षा (हाल का एटीएम हैकिंग केस)

(v) बिग डेटा प्रबंधन हेतु कुशल विशेषज्ञों का अभाव

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समाधान के उपाय –

(i) डिजीटल जागरूकता को बढ़ाया जाए

(ii) कुशल पेशेवर विशेषज्ञों का उचित उपयोग,

(iii) रक्षीत्मा नीति का निर्माण,

(iv) निजता संबंधी सभी शर्तों का समन्वित हल।